

मोदी का बाप भी! खड़गे का विवादित बयान, सड़कों पर बीजेपी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एक बार फिर अपने बयान को लेकर विवादों में घिर गए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को बिहार की राजधानी पटना में डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई उनकी टिप्पणी पर सियासी विवाद खड़ा हो गया। भाषण के दौरान भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि मोदी कहीं नहीं जाएंगे। इस पर खड़गे ने जवाब दिया, मोदी का बाप भी जाएगा। उनकी इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक हलकों में बहस शुरू हो गई।

यह पहली बार नहीं है, जब खड़गे के किसी बयान पर विवाद हुआ हो। इससे पहले वह प्रधानमंत्री मोदी को आतंकवादी कहने, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना जहरीले सांप से करने, गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर होने पर सवाल उठाने और प्रधानमंत्री मोदी को 100 सिर वाला रावण बताने जैसी टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों में रह चुके हैं। कुछ मामलों में उन्होंने बाद में सफाई भी दी और माफी मांगने की पेशकश की। आइए, तारीखवार जानते हैं खड़गे के उन बयानों के बारे में, जिन पर राजनीतिक विवाद हुआ।

25 अक्टूबर 2026 : मोदी का बाप भी जाएगा
पटना में डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भाषण दे रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गड़बड़ी करने वालों को जेल भेजा जाएगा। तभी भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति ने उन्हें टोकते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाएंगे। इस पर खड़गे ने जवाब दिया, मोदी का बाप भी जाएगा। उनकी इस टिप्पणी के बाद विवाद खड़ा हो गया। इसके बाद खड़गे ने काले धन को वापस लाने के प्रधानमंत्री मोदी के वादे पर निशाना साधा। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा की भी आलोचना की। खड़गे ने कहा कि जब तक यह

आरएसएस जुलूस पर पथराव

जलगांव, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के जलगांव जिले के यावल तालुका स्थित किगांव में दशहरे के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन के रास्ते को लेकर विवाद हो गया। धार्मिक स्थल के सामने से जुलूस निकालने पर कुछ लोगों ने विरोध जताया। इस दौरान कुछ महिलाएं सड़क पर बैठ गईं। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और पथराव होने लगा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया। घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

रास्ते को लेकर बढ़ा विवाद

किगांव में दशहरे के मौके पर आरएसएस की ओर से पथ संचलन निकालने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान जुलूस के निर्धारित मार्ग को लेकर विरोध शुरू हो गया। विरोध करने वाले कुछ लोगों ने धार्मिक स्थल के सामने से जुलूस निकालने पर आपत्ति जताई। विवाद उस समय बढ़ गया, जब कुछ महिलाएं धार्मिक स्थल के सामने सड़क पर बैठ गईं और इस रास्ते से पथ संचलन निकालने का विरोध करने लगीं। इससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। विरोध के बीच स्थिति बिगड़ने पर पथराव हुआ। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने और हालात संभालने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया। घटना के बाद किगांव में तनाव फैल गया। पुलिस प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया। तनाव की सूचना मिलने के बाद जलगांव जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी किगांव पहुंचे। **►8पर**

उनियाल ने मेहंदी से मांगी माफी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के मंत्री सुबोध उनियाल ने गायक दिलेर मेहंदी से कुंजापुरी देवी मेले में हुए विवाद को लेकर फोन पर माफी मांग ली है। इससे पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी मेहंदी बंधुओं से बातचीत कर मंत्री की ओर से माफी मांगी थी। इसकी जानकारी गायक मीका सिंह ने स्वयं संवाददाता सम्मेलन में दी थी।

अब मंत्री सुबोध उनियाल की ओर से माफी मांगे जाने पर मीका सिंह की टीम ने बयान जारी कर उनके कदम की सराहना की है। टीम ने कहा कि कलाकारों और उनकी गरिमा का सम्मान करना बेहद जरूरी है।

बयान में कहा गया, हम इस बात की सराहना करते हैं कि सुबोध उनियाल जी ने दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर टेलीफोन पर बातचीत के दौरान दिलेर मेहंदी पाजी से माफी मांगी है। कलाकारों और उनकी गरिमा का सम्मान करना बेहद जरूरी है। दिलेर पाजी एक वरिष्ठ कलाकार हैं, जिन्होंने संगीत जगत में बहुत बड़ा योगदान दिया है। हर कलाकार के साथ सम्मान से पेश आना चाहिए। हमें उम्मीद है कि अब यह मामला यहीं समाप्त हो जाएगा और सभी आपसी सम्मान तथा समझ के साथ आगे बढ़ेंगे।

इस माफी के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि दिलेर मेहंदी और मंत्री सुबोध उनियाल के बीच विवाद समाप्त हो जाएगा। हालांकि, इससे पहले मंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में अपने बयान पर कायम रहते हुए कहा था कि यदि कलाकार की तबीयत ठीक नहीं थी, तो उन्हें आयोजकों या दर्शकों को पहले ही **►8पर**

नदिया किनारे आईडी

खरगोन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के मंडलेश्वर में नर्मदा नदी के किनारे हजारों मतदाता पहचान पत्र (वोट आईडी कार्ड) मिलने से मामला चर्चा में आ गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये कार्ड इंदौर जिले की राऊ विधानसभा क्षेत्र के हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंडलेश्वर थाने के सामने प्रदर्शन किया और प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने की मांग की। प्रशासन ने कार्ड जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

दरअसल, रविवार सुबह मंडलेश्वर में नर्मदा घाट पर निस्वार्थ सेवा समिति की ओर से सफाई अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान नदी किनारे लावारिस हालत में मतदाता पहचान पत्र दिखाई दिए। इसकी सूचना प्रशासन को दी गई। जानकारी मिलने पर राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कार्ड एकत्रित कर पंचनामा तैयार किया। प्रांरिक जानकारी में कार्डों के राऊ विधानसभा क्षेत्र से संबंधित होने की बात सामने आई है। हालांकि, कार्डों की सही संख्या और उनके नदी किनारे पहुंचने के कारणों की पुष्टि अभी नहीं हुई है। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।मतदाता पहचान पत्र मिलने के मामले को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि नायक के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता मंडलेश्वर थाने पहुंचे। कांग्रेस ने पुलिस को आवेदन सौंपकर एफआईआर दर्ज करने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।रवि नायक ने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाता पहचान पत्र नदी किनारे कैसे पहुंचे। उन्होंने मामले में जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने **►8पर**

दुनिया की पहली एआई बाइक

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कार और एसयूवी बाजार में अपनी पहचान बनाने वाली चीन की वाहन निर्माता कंपनी चेरी अब दोपहिया बाजार में भी कदम रखने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की दुनिया में प्रवेश करते हुए दो नए मॉडल पेश किए हैं। इनमें एक खास इलेक्ट्रिक क्रूजर शामिल है, जो बैटरी के साथ पेट्रोल इंजन की मदद से भी बिजली बना सकता है। वहीं, कंपनी ने एडवेंचर डिजाइन वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर भी प्रदर्शित किया है, जिसकी एक बार चार्ज करने पर 150 से 200 किलोमीटर तक चलने की क्षमता का दावा किया गया है। चेरी ने चीन के वुहू में आयोजित एक प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में अपने नए सिनॉक्स ब्रांड के तहत ये दोनों इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन पेश किए। इनमें ग्री सी3 इलेक्ट्रिक क्रूजर और एडवेंचर शैली का इलेक्ट्रिक स्कूटर शामिल हैं। कंपनी का लक्ष्य केवल इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नए ब्रांड के जरिए दोपहिया बाजार में अलग पहचान बनाने की कोशिश भी है।

चेरी का ग्री सी3 इन दोनों मॉडलों में सबसे ज्यादा चर्चा में है। कंपनी इसे दुनिया का पहला कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित, विस्तारित रेंज वाला स्मार्ट क्रूजर बता रही है। हालांकि, यह कंपनी का दावा है और इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। कंपनी के अनुसार, इस बाइक में विस्तारित रेंज वाले इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इस प्रणाली में पहियों को चलाने का काम इलेक्ट्रिक मोटर करती है, जबकि पेट्रोल इंजन का उपयोग बिजली बनाने के लिए किया जाता है। **►8पर**

कार्टून कॉर्नर

कहीं अब राहुल व्यापारियों को भी BJP से मिला हुआ न बता दें

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31⁰

न्यूनतम : 22⁰

पारे से सोना!

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

क्या पारे जैसी धातु को सोने में बदला जा सकता है? सदियों से इंसान इस सवाल का जवाब तलाशता रहा है। अब सैन फ्रांसिस्को की स्टार्ट-अप कंपनी मैराथन फ्यूजन ने दावा किया है कि उसने परमाणु संलयन तकनीक की मदद से पारे को सोने में बदलने का तरीका विकसित किया है। हालांकि, कंपनी ने प्रयोग में तैयार हुए सोने की कुल मात्रा का खुलासा नहीं किया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या इस तकनीक से वास्तव में बाजार में बेचने लायक सोना बनाया जा सकेगा।

द अटलांटिक की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रयोगशाला में सोना बनाने का विचार नया नहीं है। इससे पहले भी वैज्ञानिक परमाणु प्रक्रियाओं के जरिए सोना बनाने के प्रयोग कर चुके हैं। मैराथन फ्यूजन का दावा भी इसी दिशा में एक नया प्रयास है। कंपनी का कहना है कि उसकी उपलब्धि यूरोपीय परमाणु अनुसंधान संगठन (सीईआरएन) के पिछले रिकॉर्ड से 10 गुना बेहतर है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

आइए, 10 सवाल-जवाब में समझते हैं कि पारे से सोना बनाने की यह तकनीक क्या है, इसके पीछे विज्ञान कैसे काम करता है और इसके सामने कौन-सी चुनौतियां हैं।

मैराथन फ्यूजन ने क्या दावा किया है?

मैराथन फ्यूजन ने दावा किया है कि उसने पारे को सोने में बदलने की प्रक्रिया विकसित की है। कंपनी के मुताबिक, यह उपलब्धि सीईआरएन के पिछले रिकॉर्ड से 10 गुना बेहतर है। कंपनी सैन फ्रांसिस्को में एक संलयन

पारे से बना दिया सोना!

एक साल में दो टन सोना बनाने की कही बात

रिएक्टर बनाने की दिशा में भी काम कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य ऊर्जा उत्पादन होगा। सीईआरएन दुनिया की प्रमुख परमाणु अनुसंधान प्रयोगशालाओं में से एक है। यहां ब्रह्मांड के मूलभूत कणों और प्रकृति के नियमों पर शोध किया जाता है। सीईआरएन के लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर में सीसे के परमाणु नाभिकों की टक्कर के दौरान अत्यंत कम मात्रा में सोने के नाभिक भी बने थे।

कंपनी सोना क्यों बनाना चाहती है?

सोना बनाना मैराथन फ्यूजन का मुख्य कारोबार नहीं, बल्कि संभावित अतिरिक्त कमाई का जरिया है। कंपनी का मुख्य लक्ष्य परमाणु संलयन से ऊर्जा पैदा करना है। यह वही प्रक्रिया है, जिसके जरिए सूर्य ऊर्जा उत्पन्न करता है। भविष्य में इस तकनीक से कम कार्बन उत्सर्जन वाली बड़ी मात्रा

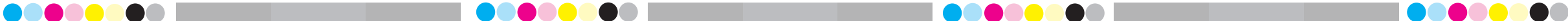
में ऊर्जा मिलने की उम्मीद है, लेकिन इसे व्यावसायिक स्तर पर सफल बनाना बेहद महंगा है।

कंपनी के सह-संस्थापक एडम रूतकोव्स्की के मुताबिक, संलयन प्रक्रिया के दौरान बनने वाले सोने से करोड़ों डॉलर की कमाई हो सकती है। इससे संलयन ऊर्जा तकनीक पर होने वाले भारी खर्च की कुछ भरपाई की जा सकती है।

पारे से सोना कैसे बनाया जा सकता है?

हर रासायनिक तत्व की पहचान उसके परमाणु नाभिक में मौजूद प्रोटॉनों की संख्या से होती है। पारे के नाभिक में 80 प्रोटॉन होते हैं, जबकि सोने के नाभिक में 79 प्रोटॉन होते हैं। इसलिए पारे को सोने में बदलने के लिए उसके नाभिक में बदलाव करना जरूरी है। **►8पर**

वहीं, संविदा पदों पर नियुक्तियाँ करते समय संबंधित कार्यों के लिए पूर्ण रूप से योग्य और पहले से सेवा दे रहे सहायक कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस अवसर पर बस्ती दवाखानों के सहायक कर्मचारियों राज्य नसिन्हा, अनीता, पावनी, साइमन राजू, पावनी, भाविका, संगीता, महेश, राजू, सत्यनारायण, लावण्या, सुशीला, श्रीलता, रेणुका सहित अन्य कर्मचारियों ने कहा कि बस्ती दवाखानों में कार्यरत सहायक कर्मचारियों को गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की।



जानिये पंजाबी दुल्हनें क्यूं पहनती हैं चूड़ा

अगर आप किसी पंजाबी फ्रेंड की शादी में गई होंगी, तो आपने दुल्हन को चूड़ा पहने हुए ज़रूर देखा होगा। वैसे तो दुल्हनें ढेर सारी ज्वेलरी पहनती हैं मगर उनमें से चूड़े का महत्व सबसे ज्यादा होता है। आज कल तो चूड़ा पहनने का रिवाज ना सिर्फ पंजाबियों में ही बल्कि भारत के अलग अलग कोनों में भी होने लगा है।



पंजाबियों में शादी के दिन होने

वाली दुल्हन के घर पर चूड़ा और कलीरा नामक सेरेमनी भी होती है। इन लाल रंग की चूड़ियों का आखिर इतना महत्व क्यों है और इसे क्यों पहना जाता है, आज हम इसी के बारे में खुलासा करेंगे।

क्या है चूड़े से जुड़ हुए रिवाज
चूड़ा सेरेमनी शादी की सुबह दुल्हन के घर पर ही होती है। दुल्हन के मामा, उसके लिये चूड़ा ले कर आते हैं, जिसमें लाल और सफेद रंगों की 21 चूड़ियां होती हैं। दुल्हन इस चूड़े को तब तक नहीं दे पाती है जब तक की वह पूरी तरह से तैयार ना हो जाए और मंडप पर दुल्हे के साथ ना बैठ जाए।

साल भर तक पहनना होता है चूड़ा

पहनना होता है। हालांकि आज कल दुल्हने ज्यादा से ज्यादा 40 दिनों तक ही इसे पहनती हैं।

चूड़े का महत्व

चूड़ा, शादी शुदा होने का प्रतीक है। साथ ही यह प्रजनन और समृद्धि का संकेत भी होता है। यह पति की भलाई के लिए भी पहना जाता है।

चूड़े की रस्म

दुल्हन को चूड़ा शादी के मंडप में ही उसकी मामा जी ही देते हैं। उस दौरान दुल्हन की आंखें उसकी मां बंद कर देती हैं।

जिससे वह चूड़े को ना देख पाएं नहीं तो खुद उसी की नजर उस चूड़े पर लग जाएगी। चूड़े को शादी की एक रात पहले दूध में भिगो कर रखा जाता है।

चूड़ा उतारने की रस्म

पहले के जमाने में जब चूड़ा उतारना होता था तब घर पर छोटा सा आयोजन किया जाता था। उसमें दुल्हन को शगुन और मिठाई दी जाती थी और फिर चूड़ा उतार कर उसकी जगह पर कांच की चूड़ियां पहना दी जाती थीं। चूड़े को किसी नदी के पास उतारा जाता था और छोटी सी पूजा के बाद नदी में ही उसे बहा दिया जाता था।

कलीराकी रस्म

हर पंजाबी दुल्हन अपनी चूड़ियों में कलीरा बांधती है जो उसकी प्रिय सहेलियों ने बांधा होगा। कलीरा की सेरेमनी ठीक चूड़ा सेरेमनी के बाद होती है।

जब सिर पर गिरे कलीरा

एक बार जब कलेरी दुल्हन की चूड़ियों के साथ बांध दी जाती है, तब उसे अपने हाथों को अपनी सिंगल सहेलियों के सिर पर झटकना होता है। फिर कलीरा जिसके सिर पर भी गिरती है, शादी का नेक्सट नंबर उसी का होता है।

अपने घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिये अपनाएं ये उपाय



घर, जिससे हम ना चाह कर भी कुछ नहीं छुपा सकते। इसकी रंगीन दीवारें चुपके से हमारी सीरी बाते सुन रही हैं, हवा में लहराते पर्दे हमारी खुशियों में झूम रहे हैं। बिसतर पर बिछी चादर खुद में हमारे आंसूओं को समेट रही है और घर के दरवाजे, आने वाल हर शख्स की आहट को पहचानते हैं।

घर इतने करीब रह कर हमारा घर स्वयं में हमारी नकारात्मक ऊर्जा को समेट लेता है जो कई बार हमारी उदासी या जीवन में पैदा होने वाली रूकावटों का कारण बनते हैं।

ऐसी नकारात्मक ऊर्जा को घर से बाहर निकालने के लिए हम आपके लिए कुछ उपाय ले कर आए हैं। तो अगर आपको भी ऐसा लगता है कि घर में घुसते ही तनाव का माहौल भर उठता है और मन में उदासी होने लगती है तो आपको जरूर आजमाने चाहिये ये तरीके।

1 घर की पेंटिंग कराएँ हमारी नकारात्मक ऊर्जा केवल

हमारे साथ नहीं चलती बल्कि हम जिन चीजों का इस्तेमाल करते हैं उनमें बस जाती है। घर के पर्दे, दीवारे या घर का फर्नीचर हमें हमारे मुश्किल वक्त का एहसास कराता रहता है, जैसे उस ने भी वह पल जीया हो।

अतः अगर आप किराए पर घर दूँद रहे हैं तो बेहतर होगा कि एक वेल फर्निशड घर की बजाय एक खाली मकान खरीदें।

घर में प्रवेश करने से पहले मकान मालिक से कह कर घर की पेंटिंग कराएँ तथा प्रवेश करने से एक दिन पहले पूरे घर में नमक के पानी से पोछा लगाएँ एवं घर के दरवाजे एवं खिड़कियों को

भी अच्छे से पोछें।

2 ताजी हवा एवं धूप

सूरज की किरणों घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाने में बहुत की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। घर की सारी खिड़कियों व दरवाजों को खोलें और ताजी हवा को अंदर आने दें। आप चाहें तो पंखा भी चला सकते हैं।

3 नमक के पानी से फर्श पोछें एक बाल्टी पानी में एक कप मोटा नमक डालें और इस पानी से पूरे घर में पोछा लगाएँ। नमक को काफी शुभ माना जाता है तथा कुछ लोग घर खाली करते वक्त घर में नमक छोड कर जाते हैं। नमक आपके घर में नकारात्मकता को प्रवेश करने से रोकता है। यदि आप अपने घर के माहौल को सकारात्मक बनाए रखना चाहते हैं तो माह में एक दिन इस नमक वाले पानी से अपने घर में पोछा लगाएँ।

4 अगरबत्ती या धूप जलाएँ

अगरबत्ती और धूप में मौजूद खुशबू आपके घर को महक से भर देगी। ये सुगंधित चीजें आपके घर को एक नई ऊर्जा के साथ भरती हैं।

5 तिल का तेल जलाएँ

कहते हैं कि तिल के तेल को जलाने से आपके आस-पास बुरी शक्तियां नहीं भटकती। यह काला जादू को भी विफल करने की शक्ति रखता है।

6 भजन सुनें व गायत्री मंत्र का उच्चारण करें

यदि आपको कोई मंत्र या शल्को आता है तो रोज सुबह नहाने के बाद उसका उच्चारण करें। घर के वातावरण को भक्तिमय बनाने के लिए किसी भजन गायक की सीडी चलाएँ। इस तरह आपका मन शांत रहेगा एवं आप अपने दिन की शुरुआत सही तरीके से कर पाएंगे। यह आदत आपके ध्यान को

केंद्रित रखती है एवं आपके मन में बुरे विचारों को पनपने से रोकती है। चाहे तो इसे आजमा कर देख सकते हैं।

7 पूजा व हवन

घर में प्रवेश करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लें। इसके लिए आप किसी पंडित को बुलाकर हवन या पूजा करवाएँ। भगवान के आशीर्वाद से रखा गया पहला कदम आपके लिए शुभ साबित होगा।

8 ध्यान

ध्यान, आपके विचलित मन को शांति से भरता है। ध्यान करने के बाद व्यक्ति को सुकून महसूस होता है। प्राणायाम वायु के माध्यम से आपके शरीर में मौजूद अशुद्धियों को बाहर निकालता है। प्राणायाम से आप अपनी भावनाओं पर काबू पा सकते हैं।

9 बेकार पड़ी चीजों को दान करें

अक्सर हमारे पास पुरानी चीजों का अंबार लगा होता है। इन पुरानी चीजों के साथ हमारी पुरानी यादें भी जुड़ी होती हैं। कुछ अच्छी तो कुछ बुरी। जब तक आप पुरानी चीजों को निकाल बाहर नहीं करेंगे नई चीजों के लिए स्थान नहीं बनेंगे। आप चाहें तो इन चीजों को दान में दे सकते हैं या बेच भी सकते हैं।

10 अपने घर को व्यवस्थित रखें

घर के कोनों की अच्छे से सफाई करें तथा टूटी व बेकार पड़ी चीजों को बाहर फेंकें। अपने घर को साफव सही ढंग से सजाकर रखें क्योंकि खूबसूरत वस्तु अपनी जगह पर सजी अच्छी लगती हैं। ऐसे सजे हुए घर में बैठकर आपको भी अच्छा महसूस होगा और इसका सीधा प्रभाव आपके मन पर पड़ेगा।

सत्य का ज्ञान



जाबाल के पुत्र सत्यकाम गुरुकुल में रहकर ब्रह्म के सत्य के बारे में जानना चाहते थे। मां जाबाल की आज्ञा लेकर वे गौतम ऋषि के आश्रम चले आए। ऋषि ने चार सौ दुर्बल गाव्यों को उन्हें सौंपते हुए कहा, 'वत्स। इन गाव्यों के स्वस्थ होने के साथ-साथ जब इनकी संख्या भी बढ़ जाए, तब मेरे पास आ जाना। सत्यकाम उन गाव्यों को लेकर तुरंत वन चले गए। दिन-रात गाव्यों की हिंसक पशुओं से सुरक्षा और उनकी देखभाल ही उनकी साधना बन गई।

जंगल की खुली हवा, ताजा घास और स्वच्छ पानी मिलने के कारण समय के साथ न केवल गाव्यों पूरी तरह स्वस्थ हो गईं, बल्कि उनकी संख्या भी पूरी एक हजार हो गई। गाव्यों के निरंतर ध्यान, शुद्ध एवं शांत वातावरण ने सत्यकाम को पूरी तरह एकाग्रचित्त बना दिया। उनकी सेवा रूपी तपस्या से ईश्वर उन पर प्रसन्न हुए और उन्हें ब्रह्म का ज्ञान हो गया। जब वे गाव्यों को लेकर आश्रम पहुंचे, तो उनकी उपलब्धियां देखकर आचार्य अत्यंत प्रसन्न हुए। तब सत्यकाम ने उनसे ब्रह्मज्ञान का उपदेश देने का आग्रह किया। इसके जवाब में आचार्य ने कहा कि तुम्हें सत्य का ज्ञान हो गया है। अब और किसी उपदेश की जरूरत नहीं है। तब सत्यकाम ने उनसे कहा कि वह अपने गुरु के मुख से सत्य को, ब्रह्म को जानना चाहते हैं। इस तरह उन्होंने आचार्य से संपूर्ण ज्ञान प्राप्त किया। सत्यकाम पूर्ण ज्ञानी होकर वापस घर आ गए और शांति के साथ अपने धर्म का पालन करने लगे।

भूल कर भी न करें ये 5 काम, इनसे मिलता है अपमान

जीवन में मान-सम्मान का बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब मान-सम्मान की रक्षा के लिए लोगों ने अपने प्राण भी गंवा दिए। इसके विपरीत कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें उनके बुरे कामों के कारण जीवन में कभी न कभी अपयश यानी अपमान का सामना करना पड़ता है। गुरुड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पड़ता है। आज हम आपको उन्हीं कामों के बारे में बता रहे हैं। गुरुण पुराण के अनुसार वो 5 काम इस प्रकार हैं-

अर्थात् - 1. दरिद्र होकर दाता होना, 2. धनवान होने पर भी कंजूस होना, 3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना, 4. दुष्ट लोगों की सेवा करना तथा 5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना। इन 5 कामों से अपमान ही मिलता है।

1. दरिद्र होकर दाता होना

जब कोई गरीब व्यक्ति अपनी हैसियत से अधिक दान देता है तो उसे व उसके परिवार को धन से संबंधित अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यदि ऐसा वह बार-बार करता है तो कई बार स्थिति बहुत ही कठिन हो जाती है। ऐसा कुछ लोग दूसरों को दिखाने के लिए भी करते हैं, लेकिन इस दिखावे में वह यह भूल जाते हैं कि इसके कारण उसके परिवार को परेशानी हो सकती है। इसलिए दान देते समय अपनी आर्थिक स्थिति जरूर देख लेना चाहिए, नहीं तो आगे जाकर अपमान का सामना करना पड़ सकता है।

2. धनवान होने पर भी कंजूस होना

अगर आपके पास पर्याप्त धन है और फिर भी आप कंजूस हैं तो इसके कारण भी आपको अपमानित होना पड़ सकता है। सोच-समझकर पैसा खर्च करना अच्छी बात है, लेकिन जब ये जरूरत से ज्यादा हो जाता है तो आप कंजूस की श्रेणी में आ जाते हैं। जिस

जगह जितना खर्च करना जरूरी है, उतना तो करना ही चाहिए। अगर आप वहां से भी पैसा बचाने की कोशिश करेंगे तो लोग आपको कंजूस ही समझेंगे। कंजूस लोगों को अपनी इस आदत के कारण कई बार अपमान का सामना करना पड़ता है। इसलिए पैसों का सही उपयोग करें, लेकिन कंजूस न बनें।

3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना

जिस व्यक्ति का पुत्र उसके कहने में नहीं होता, उसे भी परिवार, समाज के सामने अपमानित होना पड़ता है। पुत्र आज्ञाकारी नहीं होगा तो वह अपनी मनमानी करेगा। कई बार ऐसे पुत्र कुछ ऐसा काम कर देते हैं, जिसके कारण न सिर्फ पिता को बल्कि

गुरुड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पड़ता है। जीवन में बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए।

पूरे परिवार व कुटुंब को ही अपमान झेलना पड़ता है। ऐसे एक नहीं कई उदाहरण देखने को मिलते हैं, जहां पुत्र के कारण पिता को अपमानित होना पड़ा जैसे- दुर्योधन के कारण धृतराष्ट्र का राजपाठ ही नहीं बल्कि पूरे परिवार का ही नाश हो गया। इसलिए कहते हैं कि पुत्र आज्ञाकारी हो तो इससे बड़ा सुख दुनिया में और कोई नहीं है। और यदि

श्लोक-

दाता दरिद्रः कृपणोऽर्थयुक्तः पुत्रोविधेयः कुजनस्य सेवा। परापकारेषु नरस्य मृत्युः प्रजायते दुश्चरितानि पञ्च॥

पुत्र अपने पिता की बात नहीं मानता तो इससे बड़ा कोई दुख नहीं है।

4. दुष्ट लोगों की सेवा करना

जो लोग दुष्ट यानी बुरे काम करने वाले लोगों के साथ रहते हैं व उनकी सेवा करते हैं अर्थात् उनकी बात मानते हैं, ऐसे लोगों को भी अपने जीवन में कभी न कभी अपमानित जरूर होना पड़ता

अपमानित होना पड़ता है। इसलिए बुरे काम करने वाले लोगों से दूर रहने में भलाई है।

5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना

अगर किसी का नुकसान करते हुए आपकी मौत हो जाती है तो ये भी अपमान का कारण है। हालांकि मृत्यु के बाद मान- अपमान का कोई महत्व



कमाई असर जरूर पड़ता है। आपके परिवार व आने वाली पीढ़ियों को भी आपके दिन इन लोगों की सच्चाई सामने आती हैं इनके परिवार वालों की भी शर्मिंदा होना पड़ता है। उनके साथ-साथ ऐसे लोगों के साथ रहने वाले लोगों भी

करने से आयु में वृद्धि होती है। शुक्रवार को शिव की पूजा करने पर इंदिय सुखों की प्राप्ति होती है और शनिवार को भगवान शिव की आराधना करने पर मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। श्रावण माह में सप्ताह के सातों दिन पूजा करने पर भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं।



मानसिक शांति के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू पंचांग में भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को कुशोत्पाटिनी अमावस्या के रूप में मानाया जाता है। इस वर्ष यह एकादशी 12 सितंबर के दिन है। इस एकादशी को कुशग्रहणी अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन वर्ष भर किए जाने वाले धार्मिक कार्यों तथा श्राद्ध आदि कार्यों के लिए कुश (एक विशेष प्रकार की घास, जिसका उपयोग धार्मिक कार्यों में किया जाता है) एकत्रित किया जाता है। शास्त्रों में दस प्रकार के कुशों का वर्णन मिलता है। **कुशाः काशा यवा दूर्वा उशीराच्छ सकुन्दकाः। गोधूमा ब्राह्मयो मौज्जा दश दभः। सबल्वजाः॥** कुशोत्पाटिनी एकादशी का महत्व हिंदू पौराणिक ग्रंथों में अमावस्या

तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। इसलिए इस दिन पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान-पुण्य का महत्व है।

जब अमावस्या के दिन सोमवार, मंगलवार और गुरुवार के साथ जब भर किए जाने वाले धार्मिक कार्यों तथा श्राद्ध आदि कार्यों के लिए कुश (एक विशेष प्रकार की घास, जिसका उपयोग धार्मिक कार्यों में किया जाता है) एकत्रित किया जाता है। शास्त्रों में दस प्रकार के कुशों का वर्णन मिलता है।

यह मिलता है फल

कुशाग्रहणी अमावस्या के दिन तीर्थ, स्नान, जप, तप और व्रत के पुण्य से ऋण और पापों से छुटकारा मिलता है। इसलिए यह संयम, साधना और तप के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है। यह व्रत एक वर्ष तक किया जाता है। जिससे मानसिक शांति मिलती है।

स्टडी रूम के दक्षिण-पूर्व में लगाएं मनीप्लांट

फेंगशुई का उपयोग आज कल बहुत तेजी से बढ़ गया है। खासकर लोग इनको अपनी समस्याओं के समाधान के लिए ज्यादा प्रयोग करते हैं, फेंगशुई का प्रयोग हम एकाग्रता बढ़ाने के लिए भी कर सकते हैं, जानते हैं कैसे।

■ अपनी स्टडी रूम में हरे पौदों का प्रयोग करें। स्टडी रूम या घर में कहीं टूटे खिलौने हैं तो उन्हें तुरंत हटा दें, क्योंकि इनसे उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा नाक, कान, गला व आंख के इंफेक्शन का कारण होती है।

■ स्टडी रूम व घर में कहीं भी बंद घड़ियां नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती हैं और अगर किसी कारण से आप इन्हें फेंकना या बेचना नहीं चाह रहे हैं तो इन्हे ठीक करा लें।

■ अपनी टेबल पर ग्लास, क्रिस्टल का प्रयोग करें। स्टडी रूम या घर में कहीं टूटे खिलौने हैं तो उन्हें तुरंत हटा दें, क्योंकि इनसे उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा नाक, कान, गला व आंख के इंफेक्शन का कारण होती है।

■ स्टडी रूम व घर में कहीं भी बंद घड़ियां नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती हैं और अगर किसी कारण से आप इन्हें फेंकना या बेचना नहीं चाह रहे हैं तो इन्हे ठीक करा लें।

■ अपनी टेबल पर ग्लास, क्रिस्टल का प्रयोग करें। स्टडी रूम या घर में कहीं टूटे खिलौने हैं तो उन्हें तुरंत हटा दें, क्योंकि इनसे उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा नाक, कान, गला व आंख के इंफेक्शन का कारण होती है।

■ विद्यार्थी अपनी पूर्व की दीवार साफ-सुथरी रखें। हरा बल्ल, हरा पौधा, हरा पिरामिड पूर्व में रखें। बैबू प्लांट भी रख सकते हैं।

■ स्टडी रूम के लिहाज से पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा का कमरा बेहतर माना जाता है। साथ ही अगर बच्चा ईशान कोण या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुंह करके पढ़ता है तो परिणाम बेहतर होंगे। ऐसे में कमरे की इस दिशा में क्राउज क्रिस्टल को रखें। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहेगा।

■ शतरंज-रणनीति, किताबें-अध्ययन, पेंटिंग-रचनात्मकता और घड़ियां नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती हैं और अगर किसी कारण से आप इन्हें फेंकना या बेचना नहीं चाह रहे हैं तो इन्हे ठीक करा लें।

ऐसा करेंगे तो शिव होंगे जल्द प्रसन्न

देवों के देव महादेव सबसे जल्द प्रसन्न होने वाले देव हैं।

शिव पूजा करते समय बिल्वपत्र, कमल, कुश, दुर्वा, धतूरा, आक, कनेर, श्रंगार, शमी, शहद, दुग्ध, कुशा, ईख, गंगा जल, और ऋतु फल के रस से शिवलिंग का अभिषेक करें। ऐसा करने

से भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं। पुराणों में उल्लेख मिलता है कि श्रावण माह में यदि शिव को प्रसन्न करना है, तो उनकी आराधना जरूर करनी चाहिए।

इसीलिए सप्ताह के सातों दिन शिव की पूजा करनी चाहिए। मान्यता है कि

रविवार को शिव आराधना करने से पाप का नाश होता है। सोमवार को शिवलिंग की पूजा करने पर धन लाभ, मंगलवार को शिवपूजा करने पर स्वास्थ्य लाभ मिलता है। बुधवार को शिवपूजा करने से संतान प्राप्ति होती है।

गुरुवार को शिव की आराधना

जहां लोग करते हैं रिश्तत से सख्त नफरत



रोजाना की डाइट में शामिल करें सिंघाड़ा...

सिंघाड़ा पोषक तत्वों और लो कैलोरी के कारण सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है, इसीलिए केवल व्रत में ही नहीं बल्कि आमतौर पर भी रोज सिंघाड़ा खाएं। तिकोने आकार का हरे और लाल रंग का सिंघाड़ा अपने शानदार स्वाद और कड़कपन के कारण बेहद खास है। पानी में पाए जाने वाले सिंघाड़े को पानी फल के नाम से भी जाना जाता है। कई तरह की बीमारियों से बचने के लिए जिंक, पोटेशियम और विटामिन से भरपूर इस फल को हर किसी को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। सिंघाड़े का इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है। कुछ लोग इसे कच्चा खाना पसंद करते हैं तो कुछ इसे उबालकर खाते हैं। कई जगहों पर इसे सब्जी के तौर पर भी प्रयोग में लाया जाता है। आएइ इससे होने वाले फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर: सिंघाड़े का इस्तेमाल अपनी रोजाना की डाइट में किया जा सकता है। इनमें उच्च मात्रा में पोषक तत्व जैसे विटामिन बी व सी, आयरन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस आदि की मौजूदगी और कैलोरी की कम मात्रा स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है। भूख बढ़ाने के लिए भी यह फल एक बेहतर विकल्प माना जाता है। बुजुर्गों व गर्भवती महिलाओं के लिए तो यह बहुत गुणकारी है। इस फल में कई औषधीय गुण हैं, जिनसे शूगर, अल्सर, हृदय रोग, गठिया जैसे रोगों से बचाव हो सकता है।

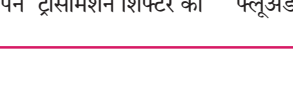
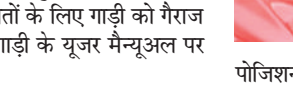
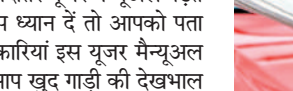
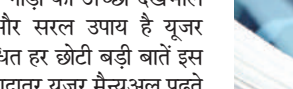
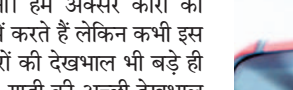
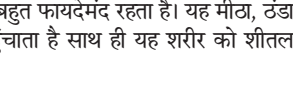
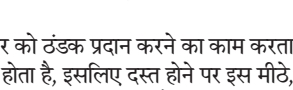
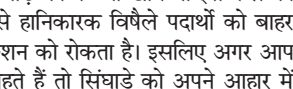
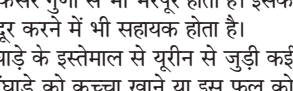
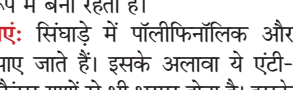
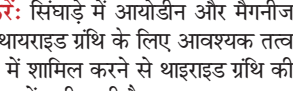
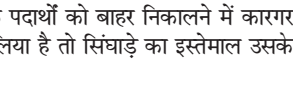
पीलिया में फायदेमंद: सिंघाड़े में डिऑक्सिफाइन गुण पाए जाता है। यह शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में कारगर होता है। ऐसे में अगर किसी को पीलिया है तो सिंघाड़े का इस्तेमाल उसके लिए बहुत फायदेमंद होगा।

थायराइड ग्लैंड को सक्रिय करें: सिंघाड़े में आयोडीन और मैग्नीज जैसे कई प्रमुख मिनरल होते हैं। यह थायराइड ग्रंथि के लिए आवश्यक तत्व है। इसलिए रोजाना इसे अपने आहार में शामिल करने से थायराइड ग्रंथि की क्रियाशीलता लम्बे समय तक सही रूप में बनी रहती है।

अनिद्रा की समस्या से बचाएं: सिंघाड़े में पॉलीफिनॉलिक और फ्लेवोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसके अलावा ये एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटी-कैंसर गुणों से भी भरपूर होता है। इसके अलावा यह अनिद्रा की समस्या को दूर करने में भी सहायक होता है।

यूरीन इन्फेक्शन को रोकें: सिंघाड़े के इस्तेमाल से यूरीन से जुड़ी कई समस्याओं में भी फायदा होता है। सिंघाड़े को कच्चा खाने या इस फल को जूस के रूप में लेने पर यह शरीर से हानिकारक विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है और यूरीन संबंधी इन्फेक्शन को रोकता है। इसलिए अगर आप यूरीन संबंधी इन्फेक्शन से बचना चाहते हैं तो सिंघाड़े को अपने आहार में शामिल करें।

दस्त में लाभकारी: सिंघाड़ा शरीर को ठंडक प्रदान करने का काम करता है। यह प्यास को बुझाने में भी कारगर होता है, इसलिए दस्त होने पर इस मीठे, ठंडे और ठोस फल का सेवन करना बहुत फायदेमंद रहता है। यह मीठा, ठंडा और ठोस फल दस्त में भी लाभ पहुंचाता है साथ ही यह शरीर को शीतल रखकर लार का उत्पादन बढ़ाता है।





सिंगापुर की ओर से अर्थाँ सेल्वन ने सर्वाधिक पांच रेड पाइंट बनाए। वहीं, आनंदराजन सिंथिनी एक एम. विजयलक्ष्मी देवी ने चार-चार अंक हासिल किए। सिंगापुर की टीम ने 16 रेड पाइंट तो जुटाए, लेकिन भारतीय टीम को खिलाफ एक भी सफल टैकल नहीं कर सकी।

पहली कामनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष और महिला टीमों की जीत ने टूर्नामेंट में उनकी मजबूत शुरुआत को दर्शाया है। अब भारतीय महिला टीम आग शाम 6:45 बजे युगांडा को खिलाफ अगला मुकाबला खेलेगी। वहीं, भारतीय पुरुष टीम रात 8:00 बजे मलेशिया से भिड़ेगी। दोनों मुकाबलों में भारतीय टीमों की नजरों जीत के सिलसिले को बरकरार रखने पर होंगी।

मदारिया जैन औसवाल साजनान संघ की कार्यकारिणी सभा आयोजित

बेंगलूर, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मदारिया जैन औसवाल साजनान संघ, बेंगलोर की संपूर्ण कार्यकारिणी सभा आयोजित की गई। सभा में आगामी साधारण सभा (एजीएम), समाज के विभिन्न विषयों, भावी कार्ययोजनाओं तथा नई कार्यकारिणी के गठन सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। नई कार्यकारिणी के गठन के लिए 27 दिसंबर 2026 की तिथि सर्वसम्मति से निर्धारित की गई। सभा का शुभारंभ सामूहिक मंगलाचरण से हुआ। अध्यक्ष ललित मांडोट ने स्वागत उद्घोषण में कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति एकता, सहयोग और आपसी भाईचारे में निहित है। उन्होंने सभी सदस्यों से समाज के प्रत्येक कार्यक्रम एवं गतिविधि में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा एक परिवार की भावना के साथ संगठन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। साथ ही, समागम स्नेह मिलन कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं



कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्री सुरेश गन्ना ने पिछली सभा की कार्यवाही एवं उसमें लिए गए निर्णयों की जानकारी सदन के समक्ष प्रस्तुत की। इसके पश्चात उन्होंने बैठक के एजेंडे से सदस्यों को अवगत कराया। आगामी नई कार्यकारिणी के गठन के लिए 27 दिसंबर 2026 की तिथि सर्वसम्मति से निर्धारित की गई। मौजूदा

कार्यकारिणी का कार्यकाल तीन वर्ष करने का सुझाव भी रखा गया, जिस पर अंतिम निर्णय आगामी साधारण सभा (एजीएम) में लेने पर सहमति बनी।

अध्यक्ष ललित मांडोट ने बताया कि चुनाव अधिकारी की घोषणा चुनाव से सात दिन पूर्व की जाएगी। साथ ही, चुनाव प्रक्रिया के स्थान पर आपसी सहमति से चयन की

प्रक्रिया अपनाने का सुझाव दिया गया। कोषाध्यक्ष दिनेश पोखरना ने पिछले दो वर्षों का विस्तृत आय-व्यय विवरण सदन के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, अंजना संघ द्वारा प्राप्त पत्र का मंत्री ने वाचन किया। पत्र में उल्लेखित विषयों तथा केंद्र संस्था के निर्णय के संदर्भ में सदन में विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान नेमीचंद कटारिया, कुंदनमल गन्ना, किशोर दलाल, प्रेम चावत, गौतम मांडोट, हसमुख कोठारी, प्रकाश गांधी, मुंकेश मेहता, शांतिलाल कटारिया, दिनेश देसरला सहित अन्य सदस्यों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर नेमीचंद दलाल ने अध्यक्ष ललित मांडोट के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व और सभी सदस्यों के सहयोग से समाज को नई दिशा मिली है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी समाज के सभी सदस्य नई कार्यकारिणी को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे, ताकि संगठन निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे। सभा के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही, मेवाड़ भवन को आगामी दो वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिए मेवाड़ भवन की पूरी टीम के प्रति विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष तेजमल दक एवं रमेश दक, संगठन मंत्री प्रवीण दक, नवरत्न दक, दिनेश कटारिया, प्रवीण बोहरा, अनिल गन्ना सहित अन्य सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, प्रभारी एवं सह-प्रभारी उपस्थित रहे। सहमंत्री नेमीचंद दलाल ने आभार ज्ञापित किया, जबकि मंत्री सुरेश गन्ना ने सभा का संचालन किया।

सभा का समापन समाज की एकता, आपसी सौहार्द, पारस्परिक सहयोग और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

ब्रिलियंस डायमंड ज्वेलरी शो शुरू



हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जाँयअलुक्कास हैदराबाद में इब्रिलियंस डायमंड ज्वेलरी शोफ के साथ चमक बिखेरने को तैयार है। यह प्रदर्शनी 24 अक्टूबर 2026 से कोकापेट स्थित शोरूम में शुरू हो चुकी है और 8 नवंबर 2026 तक चलेगी।शो में ब्राइडल स्टेटमेंट सेट्स से लेकर रोजमर्रा के समकालीन ढींके के आभूषण तक का अनूठा संग्रह प्रदर्शित किया जा रहा है। ये डिज़ाइन पारंपरिक शिल्प और आधुनिक सौंदर्यबोध का बेहतरीन संगम हैं। प्रदर्शनी के

दौरान उपलब्ध ये मास्टरपीस सीमित समय के लिए ही उपलब्ध रहेंगे।जाँयअलुक्कास ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. जाँय अलुक्कास ने कहा, ब्रिलियंस डायमंड ज्वेलरी शो हीरों की शाश्वत आकर्षण और ज्वेलरी डिज़ाइन में पूर्णता के प्रति हमारे जुनून का सम्मान है। हैदराबाद हमारी यात्रा में विशेष स्थान रखता है। त्योहारी सीजन में यह प्रदर्शनी ग्राहकों को सौंदर्य, व्यक्तित्व और शिल्प की पराकाष्ठा को दर्शाते डिज़ाइन खोजने का विशेष अवसर

देगी।इस अवसर पर प्रदर्शनी अवधि के दौरान एक लाख रुपये और उससे अधिक मूल्य के डायमंड ज्वेलरी की खरीद पर ग्राहकों को निःशुल्क गोल्ड कॉइन उपहार स्वर्ण दिया जा रहा है।इब्रिलियंस डायमंड ज्वेलरी शोफ हैदराबाद के कोकापेट शोरूम में विशेष रूप से आयोजित किया जा रहा है। अगंतुकों को हीरों की उस दुनिया में आमंत्रित किया गया है, जहाँ हर आभूषण विलासिता, प्रेम और शाश्वत आकर्षण की कहानी कहता है।

पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर का दूसरा चरण संपन्न

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में पहनने योग्य पुराने कपड़ों के संग्रहण शिविर का द्वितीय चरण रविवार, 25 अक्टूबर को शाम 6 बजे बाहेती भवन, सिद्दिअंबर बाजार, हैदराबाद में संपन्न हुआ। समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी।

श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि नवरात्रि उत्सव के दौरान सभी परिवारों के सदस्यों, माताओं और बहनों के व्यस्त रहने के कारण उनके आग्रह पर पुराने कपड़ों के संग्रहण शिविर का दूसरा चरण आयोजित किया गया। रविवार शाम 6 बजे तक चले इस शिविर में राजस्थानी, मारवाड़ी, गुजराती और उत्तर भारतीय समाज के बंधुओं एवं माताओं ने अपने परिवार के सदस्यों के पहनने योग्य पुराने कपड़े लाकर दिए।



शिविर में धोती, कुर्ता, पैंट, शर्ट, सफारी सूट, साड़ियां, सलवार-सूट, ड्रेस मटेरियल, छोटे-बड़े बच्चों के पहनने योग्य कपड़े, घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं, कंबल, ब्लैकेट, चादरें, विभिन्न प्रकार के अनाज, बर्तन तथा परिवारों के अन्य अनुपयोगी सामान का संग्रह किया गया।

समिति की ओर से इन वस्तुओं को तेलंगाना के छोटे-छोटे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद एवं निर्धन परिवारों के बीच वितरित किया जाएगा।

शिविर में वीरेंद्र कुमार अग्रवाल, रिड्रिश जागीरदार, नारायण लाल बाहेती, तरुण मेहता, अशोक कुमार हीरावत, स्वामी

प्रथम पृष्ठ का शेष

मोदी का...

उन्होंने पहले मुर्मा जी कहा और फिर खुद को सुधार लिया। कुछ ही देर बाद पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का नाम लेते समय वह कोविड बोल गए।

दरअसल, खड़गे भाजपा पर गरीबों की संपत्ति, जंगल और जमीन छीनने का आरोप लगा रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा अक्सर इस बात का उल्लेख करती है कि उसने द्रौपदी मुर्मु और रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति बनाया, लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसा लोगों के संसाधन छीनने के लिए किया गया? भाषण का वीडियो सामने आने के बाद भाजपा ने खड़गे की आलोचना की और उनसे माफी मांगने की मांग की।

20 मई 2025 : संघर्ष को छुटपुट युद्ध बताया

20 मई 2025 को कर्नाटक के हासपेट में कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित रैली में खड़गे ने भारत की सैन्य कार्रवाई और पाकिस्तान के साथ संघर्ष को छुटपुट युद्ध कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान चीन की मदद से भारत को परेशान करने की कोशिश करता है। खड़गे ने कहा कि भारत ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगा और पूरा देश एकजुट है। उनके इस बयान पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सैन्य कार्रवाई को छुटपुट युद्ध कहना भारतीय सेना के साहस और जवानों के बलिदान को कम करके दिखाने जैसा है।

11 मार्च 2025 : राज्यसभा में शब्द के इस्तेमाल पर विवाद

11 मार्च 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और तीन भाषा वाले सूत्र पर राज्यसभा में चर्चा के दौरान खड़गे के एक हिंदी शब्द के इस्तेमाल पर विवाद हो गया। भाजपा सांसदों ने इस शब्द को अपमानजनक बताते हुए आपत्ति जताई। उनका कहना था कि यह टिप्पणी सदन के पीठासीन अधिकारी के लिए की गई थी।

विवाद बढ़ने पर खड़गे ने सफाई दी कि उनकी आल-चेचना सकारा की नीतियों को लेकर थी, न कि पीठासीन अधिकारी के लिए। उन्होंने कहा कि यदि उनकी बात से उपसभापति को ठेस पहुंची है, तो वह माफी मांगते हैं। बाद में विवादित शब्द को राज्यसभा की कार्यवाही के अभिलेख से हटा दिया गया।

27 जनवरी 2025 : गंगा में डुबकी से गरीबी दूर होती है?

27 जनवरी 2025 को मध्य प्रदेश के मह में जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली को संबोधित करते हुए खड़गे ने महाकुंभ में भाजपा नेताओं के गंगा स्नान पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा, क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर होती है? क्या इससे खाना मिलता है?

खड़गे ने कहा कि जब बच्चे भूख से जुड़ रहे हैं, मजदूरों को मेहनताना नहीं मिल रहा और बच्चों को स्कूल जाने का अवसर नहीं मिल रहा, तब भाजपा नेता टेलीविजन पर दिखने के लिए गंगा में डुबकी लगाने की होड़ में लगे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी की आस्था को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते। यदि उनकी बात से किसी को बुरा लगा है, तो वह माफी मांगते हैं। उनके इस बयान पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई।

12 अक्टूबर 2024 : भाजपा को आतंकवादी पार्टी बताया

12 अक्टूबर 2024 को कर्नाटक के कलबुर्गी में एक कार्यक्रम के दौरान खड़गे ने भाजपा को इरातंकवादी पार्टीफ कह। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में लोगों की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या (माॅब लिंगिंग) और हत्या जैसी घटनाएं होती हैं। खड़गे ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे अपराध करने वालों का समर्थन करते हैं।

इस दौरान उन्होंने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और खासकर आदिवासी समुदायों पर होने वाले हमलों का मुद्दा भी उठाया। उनके इस बयान पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई।

27 अप्रैल 2023 : मोदी की तुलना जहरीले सांप से

27 अप्रैल 2023 को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना

जहरीले सांप से की। उन्होंने कहा था कि यदि कोई यह जांचने की कोशिश करेगा कि सांप जहरीला है या नहीं, तो उसकी मौत हो जाएगी।इस बयान पर विवाद बढ़ने के बाद खड़गे ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के लिए नहीं, बल्कि भाजपा और उसकी विभाजनकारी विचारधारा के लिए थी।

29 नवंबर 2022 : मोदी को 100 सिर वाला रावण बताया

29 नवंबर 2022 को गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान अहमदाबाद के बेहरामपुरा में एक रैली को संबोधित करते हुए खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोदी हर चुनाव में प्रचार करने पहुंच जाते हैं और लोगों से अपने चेहरे के नाम पर वोट मांगते हैं।

इसी संदर्भ में खड़गे ने सवाल किया, आका का चेहरा कितनी बार देखें? आपके कितने रूप हैं? क्या रावण की तरह आपके भी 100 सिर हैं?उनके इस बयान पर भाजपा ने आपत्ति जताई। पार्टी ने आरोप लगाया कि खड़गे ने प्रधानमंत्री का अपमान किया है।

फारुख...

मुद्दा उठाता रहा है। अगस्त 2019 में केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था। इसके बाद तत्कालीन राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशोंजम्मू-कश्मीर और लद्दाखमें विभाजित कर दिया गया।

भाजपा लगातार पाकिस्तान पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाती रही है। वहीं, पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है।

बुलडोजर कार्रवाई पर भी उठाए सवाल बारामूला में अपने संबोधन के दौरान फारूक अब्दुल्ला ने भाजपा शासित राज्यों में मुस्लिम समुदाय की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्लिमों के घरों, दुकानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने समुदाय के लोगों से अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की।

आरएसएस ...

इनमें पुलिस अधीक्षक श्रीकांत धिवरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप गावित और संभागीय पुलिस अधिकारी अनिल बडगुजर शामिल हैं। इसके अलावा भुसावल, यावल और रावेर से भी पुलिस बल को मौके पर बुलाया गया। वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए।

एसपी बोले- हालात नियंत्रण में पुलिस अधीक्षक श्रीकांत धिवरे ने बताया कि अब स्थिति नियंत्रण में है और माहौल शांतिपूर्ण है। किंगांव में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि यहां पथ संचलन निकाला जाना था, जिसका एक गुट ने विरोध किया। पुलिस ने विरोध कर रहे लोगों को समझाने के लिए करीब ढाई घंटे तक प्रयास किया और उनसे कई बार आग्रह किया, लेकिन वे समझने की स्थिति में नहीं थे।

एसपी के अनुसार, पथ संचलन के लिए पुलिस ने नियमानुसार अनुमति दी थी और इस पर किसी तरह की रोक नहीं थी। इसके बावजूद उत्पन्न स्थिति को देखते हुए भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इसके बाद पथ संचलन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

उनियाल ने ...

इसकी जानकारी दे देनी चाहिए थी।

18 अक्टूबर को नवरात्र के अवसर पर टिहरी गढ़वाल के कुंजापुरी देवी मेले में दलेर मेहंदी लाइव प्रस्तुति दे रहे थे। इसी दौरान मंत्री सुबोध उनियाल मंच पर पहुंचे और उनकी प्रस्तुति बीच में ही रुकवा दी। मंत्री ने आरोप लगाया था कि दलेर मेहंदी शराब के नशे में थे और हॉट

हिलाकर गाने का अभिनय कर रहे थे।

इस घटना के बाद दलेर मेहंदी के छोटे भाई और गायक मीका सिंह ने मंत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की थी। मीका ने कहा था कि उनके भाई ने कभी शराब नहीं पी और प्रस्तुति के समय उनकी तबीयत खराब थी। उन्होंने यह सवाल भी उठाया था कि किसी वरिष्ठ कलाकार के साथ सार्वजनिक मंच पर इस तरह का व्यवहार कैसे किया जा सकता है।हालांकि, इस पूरे विवाद पर दलेर मेहंदी ने अब तक स्वयं सामने आकर कोई बयान नहीं दिया है।

नदिया...

की मांग की। कांग्रेस ने नदी में तलाशी अभियान चलाने की मांग भी की, ताकि तला लगाया जा सके कि वहां और मतदाता पहचान पत्र तो नहीं पड़े हैं।हालांकि, ये कार्ड वहां कब और कैसे पहुंचे तथा इसके पीछे किसी की लापरवाही या किसी अन्य कारण की भूमिका है या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

प्रशासन ने कार्ड जल्द किए महेश्वर की अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पूर्वा मंडलोई ने बताया कि मामले की जांच के लिए तहसीलदार और अन्य अधिकारियों को मौके पर भेजा गया है। घटनास्थल पर पंचनामा तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल कार्डों की संख्या के बारे में पूरी जानकारी नहीं है। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। मामले में जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।मंडलेखर की अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) श्वेता शुक्ला के मुताबिक, नर्मदा घाट पर सफाई के दौरान मतदाता पहचान पत्र मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद राजस्व विभाग की टीम ने कार्ड जल्द कर लिए। पुलिस को कांग्रेस की ओर से भी आवेदन मिला है और थाना प्रभारी को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।नर्मदा नदी के किनारे मतदाता पहचान पत्र मिलने की घटना ने चुनावी प्रक्रिया और मतदाता पहचान पत्रों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं। फिलहाल प्रशासन और पुलिस मामले की जांच में जुटे हैं। कार्ड किसके हैं, वे वहां कैसे पहुंचे और इसके लिए कौन जिम्मेदार है, इन सवालों के जवाब जांच पूरी होने के बाद ही मिल सकेंगे।

दुनिया की

इंजन से उत्पन्न बिजली बैटरी को ऊर्जा देती है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा के दौरान केवल चार्जिंग स्टेशन पर निर्भर रहने की जरूरत कम हो सकती है।

यह तकनीक उन कारों में इस्तेमाल होने वाली रेंज-विस्तार प्रणाली जैसी है, जिनमें वाहन को इलेक्ट्रिक मोटर चलाती है और इंजन बैटरी के लिए बिजली पैदा करता है। यह सामान्य पेट्रोल बाइक से अलग व्यवस्था है, क्योंकि इसमें पेट्रोल इंजन मुख्य रूप से बिजली बनाने की भूमिका निभाता है। हालांकि, ग्रे सी3 के इंजन, इलेक्ट्रिक मोटर और बैटरी की क्षमता से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कंपनी ने मोटर की शक्ति, बैटरी की क्षमता, ईंधन टैंक का आकार, कुल रेंज और चार्जिंग में लगने वाले समय का भी खुलासा नहीं किया है।

कैपिंग में भी आएगी काम

ग्रे सी3 को केवल शहर में आवागमन के लिए ही नहीं, बल्कि लंबी यात्राओं, टूरिंग और कैपिंग जैसी जरूरतों को ध्यान में रखकर भी तैयार किया गया है। इसमें वाहन से बाहरी उपकरणों को बिजली देने वाली व्हीकल-टू-लोड (वीएल) सुविधा दी गई है।

इस तकनीक की मदद से वाहन की बैटरी से बिजली लेकर दूसरे इलेक्ट्रिक उपकरण भी चलाए जा सकते हैं। इससे कैपिंग या लंबी यात्रा के दौरान मोबाइल फोन और अन्य संसात उपकरणों को बिजली देने में मदद मिल सकती है। जरूरत के अनुसार बाहरी बिजली स्रोत या अलग जनेरेटर पर निर्भरता भी कम हो सकती है।

कंपनी ने ग्रे सी3 को एआई आधारित कनेक्टेड वाहन के रूप में भी पेश किया है। हालांकि, इसके उत्पादन मॉडल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े कौन-कौन से फीचर

मिलेंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है। कनेक्टिविटी, सॉफ्टवेयर और बिना तार के इंटरनेट के जरिए सॉफ्टवेयर अपडेट (ओवर-द-एयर अपडेट) जैसी सुविधाओं के बारे में भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

क्या भारत में भी होगी लॉन्चिंग?

चेरी के भारत में प्रवेश को लेकर लंबे समय से चर्चाएं चल रही हैं। हाल ही में भारतीय उद्योग समूह जेएसडब्ल्यू के साथ मिलकर कंपनी के भारत में प्रवेश करने की संभावनाओं को लेकर भी खबरें सामने आई थीं। हालांकि, कंपनी की ओर से भारत में प्रवेश को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।दोपहिया वाहनों की बात करें तो भारत में ग्रे सी3 क्रूजर और एडवेंचर इलेक्ट्रिक स्कूटर की लॉन्चिंग को लेकर भी फिलहाल कोई पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में इन वाहनों के भारतीय बाजार में आने, उनकी कीमत और उपलब्धता के बारे में अभी कुछ भी निश्चित रूप से कहना जल्दबाजी होगी।

पारे से सोना...

केवल रासायनिक प्रतिक्रिया से यह परिवर्तन संभव नहीं है। इसके लिए परमाणु स्तर पर प्रक्रिया अपनानी पड़ती है, जिसे परमाणु रूपांतरण कहा जाता है।

पारे से सोना बनाने की प्रक्रिया क्या है?

कंपनी की प्रस्तावित प्रक्रिया को दो चरणों में समझा जा सकता है।

पहला चरण: परमाणु संलयन प्रतिक्रिया के दौरान पैदा होने वाले तेज न्यूट्रॉनों को पारे के नाभिकों पर डाला जाता है। इससे कुछ नाभिकों की संरचना बदल सकती है और पारे का एक रेडियोधर्मी समस्थानिक मरकरी-197 बन सकता है।

दूसरा चरण: मरकरी-197 अस्थिर होता है। लगभग 64 घंटे के अर्ध-आयु काल के साथ इसका रेडियोधर्मी क्षय होता है। इस प्रक्रिया में इलेक्ट्रॉन ग्रहण करने और प्रोटॉन के न्यूट्रॉन में बदलने के कारण इसका परमाणु क्रमांक 80 से घटकर 79 हो जाता है। इस तरह सोने का समस्थानिक बन सकता है।हालांकि, इस प्रक्रिया में बनने वाले सोने की मात्रा, शुद्धता और रेडियोधर्मिता महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। केवल सोने के परमाणु बना लेना और उन्हें सुरक्षित, शुद्ध तथा व्यावसायिक रूप से उपयोग योग्य धातु में बदलना अलग-अलग चुनौतियां हैं।

परमाणु संलयन तकनीक क्या है? परमाणु संलयन वह प्रक्रिया है, जिसके जरिए सूर्य और दूसरे तारों में ऊर्जा पैदा होती है। इसमें हाइड्रोजन के कुछ समस्थानिकों जैसे हल्के परमाणु नाभिक अत्यधिक तापमान और उच्चतप परस्थितियों में आपस में जुड़कर भारी नाभिक बनाते हैं। इस प्रक्रिया में बड़ी मात्रा में ऊर्जा निकलती है।

वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि नियंत्रित परमाणु संलयन से भविष्य में बिजली का एक महत्वपूर्ण स्रोत विकसित किया जा सकेगा। हालांकि, पृथ्वी पर इस प्रक्रिया को लगातार और आर्थिक रूप से उपयोगी तरीके से चलाना अभी भी बड़ी तकनीकी चुनौती है।

क्या पहले भी प्रयोगशाला में सोना बनाया गया है? हां, वैज्ञानिक पहले भी परमाणु प्रक्रियाओं की मदद से सोने के नाभिक बना चुके हैं।

1980 के दशक में: नोबेल पुरस्कार विजेता ग्लेन सीबॉर्ग ने कण त्वरक की मदद से बिस्मथ के कुछ परमाणुओं को सोने में बदलने का प्रयोग किया था। उन्होंने अनुमान लगाया था कि इस तरीके से एक औंस यानी करीब 28 ग्राम सोना बनाने में लगभग एक क्वाड्रिलियन डॉलर खर्च हो सकता है।

सीईआरएन, 2015-2018: लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर में सीसे के परमाणु नाभिकों की टक्कर के दौरान लगभग 86 अरब सोने के नाभिक बने। इनकी कुल मात्रा करीब 29 पिकोग्राम थी, यानी एक ग्राम का लगभग 34 अरबवां हिस्सा। ये नाभिक अत्यंत कम समय में आगे की परमाणु प्रक्रियाओं के कारण नष्ट हो गए या दूसरी अवस्थाओं में बदल गए।

इन प्रयोगों से यह स्पष्ट होता है कि परमाणु स्तर पर सोना बनाना वैज्ञानिक रूप से संभव है। लेकिन बड़े पैमाने पर उपयोगी सोना बनाना कहीं अधिक कठिन है।

सफल होने पर एक संयंत्र कितना सोना बना सकता है?

मैथथन फ्यूजन के वर्ष 2025 के शोधपत्र के मुताबिक, एक गीगावाट तापीय क्षमता वाला व्यावसायिक परमाणु संलयन संयंत्र सालाना करीब दो टन सोना बना सकता है।

हालांकि, यह एक अनुमानित उत्पादन क्षमता है, न कि कंपनी की मौजूदा उपलब्धि। वास्तविक उत्पादन इस बात पर निर्भर करेगा कि संयंत्र कितनी देर तक काम करता है, कितने न्यूट्रॉन पैदा होते हैं और कितने पारे के नाभिक सोने में परिवर्तित होते हैं।

इस परियोजना के सामने सबसे बड़ी चुनौतियां क्या हैं?

इस तकनीक के सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं। पहली, उत्पादन क्षमता: सालाना दो टन सोना बनाने के अनुमान के लिए एक गीगावाट तापीय क्षमता वाला संयंत्र चाहिए। कंपनी के मौजूदा प्रयोगशाला रिएक्टर की क्षमता करीब एक किलोवाट बताई गई है। एक किलोवाट, एक गीगावाट का दस लाखवां हिस्सा होता है। इसलिए प्रयोगशाला के स्तर से व्यावसायिक उत्पादन तक पहुंचना बड़ी चुनौती है। दूसरी, रेडियोधर्मिता: परमाणु प्रक्रियाओं से बनने वाले सोने में रेडियोधर्मी समस्थानिक या अन्य रेडियोधर्मी तत्व मौजूद रह सकते हैं। ऐसे पदार्थ को बाजार में बेचने से पहले उनकी रेडियोधर्मिता, शुद्धता और सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। कंपनी के अनुमान के अनुसार, सोने को सुरक्षित स्तर तक पहुंचाने के लिए औसतन 1.5 साल तक नियंत्रित भंडारण की जरूरत पड़ सकती है। वास्तविक अस्थि उत्पाद में मौजूद समस्थानिकों और उनकी अर्ध-आयु पर निर्भर करेगी।

पारस पत्थर का रहस्य क्या रहा है? करीब दो हजार साल से ईसान धातुओं को सोने में बदलने का सपना देखता आया है। प्राचीन कीमियागरी में पारस पत्थर या ऐसे किसी पदार्थ की कल्पना की जाती थी, जो दूसरी धातुओं को सोने में बदल सके।

वर्ष 1782 में ब्रिटिश रसायनशास्त्री जेम्स प्राइस ने एक विशेष पाउडर की मदद से पारे को सोने में बदलने का दावा किया था। जब उसे वैज्ञानिकों के सामने प्रयोग करके दिखाने को कहा गया, तो उन्होंने जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या कर ली।

इसी तरह, 20वीं सदी में रुडोल्फ हंटर ने भी सूर्य के नियमों के आधार पर रोजाना हजारों डॉलर मूल्य का सोना बनाने का दावा किया था, लेकिन वह अपने दावे को साबित नहीं कर सके।

आज आधुनिक विज्ञान परमाणु संरचना में बदलाव करके सोना बनाने की संभावना को समझा चुका है। हालांकि, यह पारस पत्थर जैसी किसी जादुई प्रक्रिया के बजाय मंहंगी और जटिल परमाणु तकनीक है।

वैज्ञानिक और विशेषज्ञ इस दावे पर क्या कह रहे हैं? मैराथन फ्यूजन के दावे पर विशेषज्ञों की प्रतिक्रियाएं अलग-अलग हैं।

प्रोफेसर डेनिस व्हाइड, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी): उन्होंने इस विचार को समझदारी भरा बताया और कहा कि वह अपनी कक्षा में कंप्यूटर सिमुलेशन के जरिए इसकी जांच करेंगे।

स्टीवन काउली, प्रिंसटन प्लाज़्मा भौतिकी प्रयोगशाला: उन्होंने इस विचार को अच्छा माना, लेकिन कहा कि पूरी तरह भरोसा करने से पहले वह और आंकड़े देखना चाहेंगे। लॉरेंस प्रिंसिपे, जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के इतिहासकार: उन्होंने कंपनी की वेबसाइट पर इग्नोल्डन एक्चर जैसे दावों को देखकर टिप्पणी की कि यह भाषा 16वीं और 17वीं सदी के उन कीमियागरों जैसी लगती है, जो राजाओं से अपने शोध के लिए आर्थिक मदद मांगते थे।

इन प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि इस विचार में वैज्ञानिक रुचि है, लेकिन कंपनी के दावे को परखने के लिए विस्तृत आंकड़ों और स्वतंत्र सत्यापन की जरूरत है। क्या कृत्रिम सोने से बाजार में किम्वंते रिंगें? फिलहाल इसकी संभावना कम दिखाई देती है। कृत्रिम हीरों के विपरीत, परमाणु प्रक्रियाओं से सोना बनाना बेहद मंहंगा और तकनीकी रूप से जटिल है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS

4th Floor, 19 Towers (T19),

Near Bus Stand, Ranigunj,

Secunderabad - 500 003

8688868345

शुभ लाभ

महारे

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 26 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 174वें निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री सालासर हनुमान जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट, जगदगिरीगुड़ा के सहयोग से 174वां निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर जगदगिरीगुड़ा स्थित श्री सालासर हनुमान मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल, बेगमपेट की ओर से हड्डी रोग, हृदय रोग, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी), एट्रि-आयामी इकोकार्डियोग्राफी (2डी इको), अस्थि खनिज घनत्व (बीएमडी), यादृच्छिक रक्त शर्करा (आरबीएस), रक्तचाप एवं सामान्य चिकित्सा की सेवाएं प्रदान की गईं। इस दौरान डॉ. पूजिता, डॉ. कार्तिक तथा नर्सिंग स्टाफ संगीता, अनुषा, सुप्ली और आशीष ने सेवाएं दीं। वहीं, 2डी इको तकनीक में भानु श्री, बीएमडी तकनीक में डेविड एवं अनिल तथा विपणन विभाग के उदय कुमार ने सहयोग प्रदान किया। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुड़ा की ओर से 189 रोगियों



की आंखों की निःशुल्क जांच की गई। इन्होंने से 118 लोगों को चश्मे प्रदान किए गए, जबकि 10 रोगियों के निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। इस सेवा में के. राजू, रेहान, आराध्या, के. भास्कर और साई ने सहयोग दिया। डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल सुगंधी ने सामान्य चिकित्सा सेवाएं प्रदान

की। बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज ने फिजियोथेरेपी की सेवा दी, जबकि एसएनआर डेंटल क्लिनिक के डॉ. निखिल राज ने दांतों की जांच की। इस अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, हैदराबाद की ओर से एक रोगी को सहायता प्रदान की गई। शिविर में 328 से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। मेगा चिकित्सा शिविर में शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, विनय सी. अग्रवाल और निखिल राणासरिया ने योगदान दिया। स्थानीय सहयोगी श्री सालासर हनुमान जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट, जगदगिरीगुड़ा की ओर से प्रहलाद गोयल, श्याम सुंदर गोयल, जगदीश सोथालिया, पवन सोथालिया, अजय सोथालिया, संजय सराफ, नवीन तुलस्यान, सुभाष जिंदल, सुरेंद्र गर्ग, कमल एवं शंकर सिंह ने सहयोग प्रदान किया। स्वयंसेवक प्रयाग चित्याल, समाजसेवी शंकरलाल यादव एवं घनश्याम यादव तथा पित्ती लेमिनेशन के सदस्यों ने भी शिविर की सफलता में योगदान दिया।

शरद पूर्णिमा विशेष श्रृंगार



मंत्र अनुष्ठान से अशुभ कर्मों के प्रभाव को शांत करने का प्रयास संभव : मुनि दीप कुमार

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, हैदराबाद ने बांठिया गार्डन में कराया नवग्रह शांति अनुष्ठान



हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के बांठिया गार्डन में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी ठाणा-2 के सान्निध्य में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, हैदराबाद द्वारा पशुजन कार्यक्रम के अंतर्गत नवग्रह शांति अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंत्रों की पवित्र ध्वनियों, आध्यात्मिक वातावरण और साधना के प्रति श्रद्धा ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। अनुष्ठान का शुभारंभ मुनि श्री दीप कुमारजी एवं मुनि श्री काव्य कुमारजी के मार्गदर्शन में हुआ। मुनि श्री काव्य कुमारजी ने प्रभावशाली स्वरों में मंत्रोच्चारण कराया। श्रद्धालुओं ने एकाग्रता और श्रद्धाभाव के साथ अनुष्ठान में सहभागिता की। पूरा सभागार श्रद्धालुओं से भरा रहा और वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण दिखाई दिया। इस अवसर पर मुनि श्री दीप कुमारजी ने नवग्रह शांति अनुष्ठान के आध्यात्मिक महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मंत्र अनुष्ठान के माध्यम से अशुभ कर्मों के प्रभाव

को शांत करने तथा उनके परिणामों में परिवर्तन की दिशा में प्रयास किया जा सकता है। जप, तप और साधना आत्मकल्याण के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इनके द्वारा व्यक्ति अपने भीतर सकारात्मकता, संयम, आत्मबल और सम्यक् पुरुषार्थ की भावना जागृत कर सकता है। मुनिश्री ने कर्म और ग्रहों के संबंध को समझाते हुए बताया कि जैन दर्शन में कर्मफल का आधार स्वयं के द्वारा किए गए कर्म माने गए हैं। व्यक्ति के शुभ-अशुभ कर्म उसके जीवन की परिस्थितियों और अनुभवों से जुड़े होते हैं। ग्रहों को उन परिस्थितियों के एक माध्यम के रूप में समझा जा सकता है, लेकिन जीवन में परिवर्तन के लिए व्यक्ति का पुरुषार्थ, आचरण और साधना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि हल्के कर्मों के उदय में सम्यक् पुरुषार्थ, आध्यात्मिक साधना और उचित आचरण के माध्यम से परिणामों को प्रभावित करने की संभावना रहती है। मंत्र-जप व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने, मानसिक स्थिरता प्राप्त करने और विवेकपूर्ण निर्णय

लेने की प्रेरणा देता है। इस प्रकार मंत्र-साधना धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रहकर आत्मविश्वास और आध्यात्मिक जागरूकता को सुदृढ़ करने का माध्यम भी बन सकती है। मुनिश्री ने जीवन में आने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को समझने की प्रेरणा देते हुए कहा कि कठिन समय व्यक्ति को अपने भीतर झांकने, अहंकार का त्याग करने, संयम अपनाने और जीवन के वास्तविक मूल्यों को पहचानने का अवसर भी प्रदान करता है। शनि, राहु और मंगल जैसे ग्रहों से संबंधित मान्यताओं के संदर्भ में भी व्यक्ति को भयभीत होने के बजाय सकारात्मक दृष्टिकोण, उचित आचरण और पुरुषार्थ पर ध्यान देना चाहिए। मंत्रों के नियमित जप और आध्यात्मिक साधना से व्यक्ति अपने मन को एकाग्र कर सकता है। इससे प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने का साहस, आत्मबल और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में सहायता मिलती है। श्रद्धा के साथ साधना करते हुए जीवन में सकारात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर प्रयास करना आवश्यक है। नवग्रह शांति अनुष्ठान ने श्रद्धालुओं को मंत्र-जप, कर्म-सिद्धांत और आध्यात्मिक साधना के महत्त्व को समझने का अवसर प्रदान किया। आयोजन का मूल संदेश रहा कि जीवन में शुभता और शांति की कामना के साथ-साथ व्यक्ति को अपने कर्मों, विचारों और व्यवहार को भी परिष्कृत करने का प्रयास करना चाहिए। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, हैदराबाद द्वारा पशुजन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित यह अनुष्ठान आध्यात्मिक चेतना, श्रद्धा और सम्यक् पुरुषार्थ की प्रेरणा देने वाला रहा। कार्यक्रम ने उपस्थित श्रद्धालुओं को साधना के प्रति जागरूक होने तथा जीवन में सकारात्मकता, संयम और आत्मबल बढ़ाने की दिशा में प्रेरित किया।

सेवा ही सच्ची भावना, जरूरतमंदों की मदद में ही मानवता की सार्थकता : जगत नारायण अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा ही सच्ची भावना है और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मानव जीवन की सबसे बड़ी सार्थकता है। उन्होंने कहा कि समाज में वास्तविक बदलाव तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति दूसरों के दुख-दर्द को समझे और यथासंभव उनकी सहायता के

लिए आगे आए। जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल अन्नसेवा करना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, समर्पण, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं की भावना को मजबूत करना भी है। भूख को भोजन कराना, जरूरतमंद को सहारा देना और बिना किसी भेदभाव के मानवता की सेवा करना ऐसे कार्य हैं, जिनसे समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी विश्वास बढ़ता है। सेवा का वास्तविक मूल्य किसी सम्मान या प्रसिद्धि में नहीं, बल्कि उस आत्मिक संतोष में है,

जो किसी जरूरतमंद की सहायता करने से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि समाज में अनेक लोग ऐसे हैं, जिन्हें छोटी-सी सहायता भी बड़ी राहत प्रदान कर सकती है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देना चाहिए। जब समाज के लोग व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर सामूहिक हित के लिए कार्य करते हैं, तभी एक संवेदनशील और संस्कारवान समाज का निर्माण होता है। अन्नसेवा जैसे पुनीत कार्य हमें यह संदेश देते हैं कि मानवता से बढ़कर कोई धर्म नहीं और परीपकार से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है। कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, कमल मुंदड़ा, प्रमोद अग्रवाल, पवन मोदी और विंदर जैन सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए मानवता की सेवा के इस पुनीत संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डेटा कमिटी की बैठक संपन्न



हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की विवाह परिचय समिति की बैठक आबिडूस स्थित राधव रत्ना टावर्स के समाज कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में समाज के अभिभावकों ने अपने विवाह योग्य बच्चों के बायोडाटा का आपस में आदान-प्रदान किया तथा उनके लिए योग्य जीवनसाथी की तलाश के संबंध में विचार-विमर्श किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए उपयुक्त रिश्ते तलाशने में अभिभावकों की सहायता करना तथा आपसी परिचय और सहयोग को बढ़ावा देना था। बैठक में अशोक जिंदल, पंकज कुमार संधी, सुनील मोदी, जितेंद्र अग्रवाल, रानी मित्तल, संगीता गोयल, शीतल रूंगटा, राजेंद्र, देवकीनंदन, संजय सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे।



श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर गुड्स शेड रोड, मूसापेट में शनिवार दि. 24 अक्टूबर को सायं 6.00 से रात्रि 12.00 बजे तक ह5रां भक्तों ने महाप्रसादी का आनंद लिया। इस अवसर पर मंदिर प्रमुख महामंडलेश्वर श्रीश्रीश्री 108 श्री महंत मदनमोहनदास महाराज द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित भक्तों सिखवाल समाज के रामदेव नागला का दुपट्टे से सम्मान कर स्मृति चिह्न प्रदान किया। अवसर पर जसमत पटेल, पुसाराण पंडित व अन्य उपस्थित थे।

गोल्डन टेंपल में सनातन सत्संग



हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेंपल (हरे रामा हरे कृष्णा) में रविवार को गुरुमां (डॉ. नेहा) के सान्निध्य में सनातन सत्संग आयोजित किया गया। इसमें बंाली व ड पार्श्वगायिका नीरजा पंडित ने भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी। गुरुमां ने प्रवचन में ईश्वर के नाम-जप, ध्यान और ॐ की आध्यात्मिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सच्ची शांति भक्ति, विनम्रता और आत्मचिंतन से प्राप्त होती है। उन्होंने प्रकृति से समानता, निस्वार्थ सेवा, करुणा और अहंकार त्याग की सीख लेने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के आयोजक आचार्य शंकरलाल अग्रवाल ने कहा कि सत्संग का उद्देश्य सनातन धर्म की शिक्षाओं के माध्यम से लोगों को आध्यात्मिकता से जोड़ना और आंतरिक शांति का मार्ग दिखाना है। अगला सनातन सत्संग 27 अक्टूबर 2026 को सुबह 10 बजे राजपूतवाड़ी, हनमकोंडा स्थित राधास्वामी जनरल सत्संग में आयोजित होगा।

अग्रसेन बायोडाटा बैठक में विवाह योग्य युवक-युवतियों के रिश्तों पर चर्चा

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज में वैवाहिक संबंधों को प्रोत्साहित करने तथा समाज के परिवारों को योग्य जीवनसाथी की तलाश में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से सिकंदराबाद के पान बाजार में अग्रसेन बायोडाटा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विवाह योग्य युवक-युवतियों के रिश्तों को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान समाज के परिवारों को उपयुक्त वैवाहिक संबंध तलाशने में सहयोग देने



तथा इस दिशा में समिति की भूमिका को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में दुर्गा प्रसाद बंसल, रवि अग्रवाल, सत्यनारायण मोदी, शिवराज अग्रवाल, सुनील

अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अक्षत अग्रवाल, संजय बंसल, विजय सुरेखा, उर्मिला सुरेखा, विनोद अग्रवाल सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने संकल्प: अनप्लगिंग कार्यक्रम के माध्यम से अभिभावकों को किया जागरूक



हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा युवा परिवार सेवा समिति एवं बोध प्रकल्प के सहयोग से मासिक सत्संग एवं भंडारे के अवसर पर संकल्प: अनप्लगिंग विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय थाहम मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं या मोबाइल हमारा उपयोग कर रहा है? विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करने तथा घर

में सहयोगपूर्ण वातावरण बनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि अभिभावकों को बच्चों की समस्याएं शांतिपूर्वक सुननी चाहिए, उनके सच बोलने की सराहना करने चाहिए तथा बच्चों द्वारा साझा की गई बातों को भविष्य में ताने के रूप में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। साथ ही, माता म्दालसा का उदाहरण देते हुए समझाया गया कि बच्चे उपदेशों की अपेक्षा माता-पिता के आचरण से अधिक सीखते हैं। इस अवसर पर साध्वी भावना भारती जी ने बताया कि वर्तमान

समय में बच्चों पर केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय उन्हें समझना और उचित मार्गदर्शन देना आवश्यक है। उन्होंने संस्थान के बोध नशा उन्मूलन प्रकल्प की जानकारी देते हुए बताया कि इसके अंतर्गत भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत देशभर में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आगामी समय में हैदराबाद के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में भी बोध प्रकल्प के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

एसआईआर के बाद छह लाख और मतदाताओं के नाम कटने की आशंका

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत 9 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद भी छह लाख तक मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा मतदाता सूची को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित डीएसई (जनसांख्यिकीय रूप से समान प्रविष्टियां) सॉफ्टवेयर से जांचने के बाद आने वाले महीनों में यह कार्रवाई होने की संभावना है।

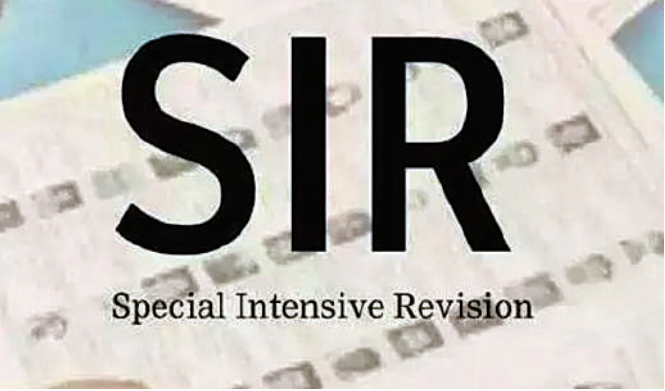
वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए तैयार 3.38 करोड़ मतदाताओं की मूल सूची में से अब तक 73.39 लाख नाम हटाए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, एसएडीडी सूची में शामिल लगभग पांच लाख मतदाताओं के नाम भी राष्ट्रीय स्तर पर डीएसई सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल के बाद हटाए जाने की संभावना है। इसके परिणामस्वरूप मतदाताओं की संख्या घटकर 2.6 करोड़ रह सकती है, जो 2024 के आंकड़े से 26 प्रतिशत कम होगी।

तेलंगाना में गणना चरण के बाद लगभग 73 लाख नाम हटाए जाने और नोटिस अवधि के दौरान अनुमानित दो लाख नाम हटने के अतिरिक्त, अधिकारियों का अनुमान है कि देशभर में डीएसई सॉफ्टवेयर लागू होने पर कम से कम पांच लाख और नाम सूची से हटाए जा सकते हैं।

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 9 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद पांच से छह लाख और नाम हटना कोई बड़ी हैरानी की बात नहीं होगी। तीसरे चरण में पूरी प्रक्रिया समाप्त होने के बाद निर्वाचन आयोग दो अलग-अलग राज्यों में पंजीकृत दोहरे मतदाताओं की पहचान करेगा। आंध्र प्रदेश के साथ-साथ कर्नाटक में भी मतदाता पहचान पत्र रखने वाले ऐसे लोगों के नाम तेलंगाना की सूची से हटाए जा सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि पांच से छह लाख नाम हटने का अनुमान भी काफी सतर्क आकलन है।

डीएसई सॉफ्टवेयर निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एआई आधारित प्रणाली है। इसे निर्वाचन आयोग के मुख्य मतदाता सूची प्रबंधन ढांचे ईआरअ-नेट और ईसीआईनेट के साथ एकीकृत किया गया है। यह प्रणाली उन मतदाताओं की पहचान करती है, जिनका पंजीकरण एक से अधिक स्थानों पर है।

यह सॉफ्टवेयर केंद्रीकृत मतदाता डेटाबेस में नाम, उम्र, लिंग, संबंध का प्रकार, संबंधी का नाम और पते जैसी जनसांख्यिकीय जानकारी का मिलान करता है। जब कई मतदाताओं की प्रोफाइल में इन विवरणों में काफी समानता मिलती है, तो सॉफ्टवेयर संभावित दोहरे



पंजीकरण की पहचान कर डीएसई रिपोर्ट तैयार करता है। अधिकारियों ने बताया कि मतदाताओं को एक विकल्प दिया जाएगा और उनके एक मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) का विवरण सूची से हटाया जाएगा। यदि एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद डीएसई जांच में किसी व्यक्ति के दो स्थानों पर पंजीकरण या दो मतदाता प्रविष्टियां होने का पता चलता है, तो उसे नोटिस दिया जाएगा। इसके अलावा, उसे एक वर्ष तक की जेल और जुर्माने की सजा भी हो सकती है।

अधिकारियों के अनुसार, हटाए गए कुल 73,39,234 मतदाताओं (एसएडीडी) में से 45,18,961 मतदाता यानी 61.57 प्रतिशत ऐसे हैं,

जो स्थायी रूप से दूसरे स्थानों पर जा चुके हैं। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में एक साथ एसआईआर कराए जाने के कारण अधिकांश मतदाताओं ने अपने मूल गांवों और कस्बों को प्राथमिकता दी। इसके परिणामस्वरूप झस्थानांतरितफ श्रेणी में सबसे अधिक नाम हटाए गए। एक अधिकारी ने बताया कि यदि दोनों तेलुगु राज्यों में एसआईआर अलग-अलग चरणों में कराया जाता, तो इतनी बड़ी संख्या में नाम नहीं हटते।

हैदराबाद, महबूबनगर-रंगारेड्डी और वारंगल-खम्मम-नलगोंडा स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए तैयारियां तेज

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुदर्शन रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि आगामी विधान परिषद चुनावों में मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए फॉर्म-18 भरते समय ईपीआईसी विवरण देना अनिवार्य नहीं है। हालांकि, यदि ईपीआईसी विवरण के बिना आवेदन प्राप्त होते हैं, तो बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के आवेदकों के सामान्य निवास की स्थिति का सत्यापन करेंगे।

हैदराबाद-महबूबनगर-रंगारेड्डी (एचएमआर) और वारंगल-खम्मम-नलगोंडा (डब्ल्यूकेएन) स्नातक

निर्वाचन क्षेत्रों की तैयारियों के तहत सीईओ ने जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को निर्देश दिया है कि वे आवेदकों के सामान्य निवास की स्थिति और 31 अक्टूबर 2023 तक आवश्यक शैक्षणिक योग्यता की जांच करें।

शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेजी प्रमाण के रूप में राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित डिग्री प्रमाणपत्र की प्रति स्वीकार की जा सकती है। सीईओ ने शनिवार को जारी ज्ञापन में अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि ऑनलाइन आवेदन के साथ डिग्री, डिप्लोमा प्रमाणपत्र या अंकपत्र पर राजपत्रित अधिकारी का सत्यापन नहीं है, तो संबंधित आवेदक को मूल प्रमाणपत्र के साथ निर्धारित अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होकर दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा।

सीईओ ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि फॉर्म-18 में ईपीआईसी विवरण दिया गया है और उसमें दर्ज पता आवेदन में दिए गए पते से मेल खाता है, तो सामान्य निवास की स्थिति का अलग से सत्यापन किए बिना आवेदन स्वीकार किया जा सकता है।

यदि ईपीआईसी और फॉर्म-18 में दर्ज पते अलग-अलग हैं, तो संबंधित निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए आवेदन पर निर्णय लेंगे।

तेलंगाना में चावल की हेराफेरी, 14 मिलर्स गिरफ्तार 242 करोड़ रुपये की संभावित वित्तीय गड़बड़ी की जांच, 16 राइस मिलें जांच के दायरे में

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने सत्रा रमम (बारीक किस्म) के धान की कथित हेराफेरी और उसकी जगह सस्ता मोटा चावल (डोड्डू रमम) आपूर्ति करने के मामले में तीन आपराधिक मामले दर्ज कर 14 राइस मिलर्स को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के लिए निर्धारित बारीक किस्म के धान को खुले बाजार में भेजकर उसके स्थान पर सस्ता मोटा चावल उपलब्ध कराया गया।



इस कथित अनियमितता के दायरे में निजामाबाद, करीमनगर और मुलुगु जिलों की 16 राइस मिलें हैं। पहले से आपूर्ति किए गए चावल से संबंधित बोनास की अनुमानित वित्तीय देनदारी करीब 1.69 करोड़ रुपये बताई गई है, जबकि प्रसंस्करण के लिए आवंटित अतिरिक्त धान से जुड़ी संभावित वित्तीय देनदारी लगभग 242 करोड़ रुपये आंकी गई है।

तेलंगाना सिविल सप्लाइज कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक (खरीद) की ओर से 24 अक्टूबर 2026 को शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद सीआईडी ने जांच शुरू की। एजेंसी ने 25 अक्टूबर को जारी प्रेस नोट में बताया कि निरीक्षण और प्रयोगशाला जांच के दौरान परीक्षण किए गए चावल के नमूने आवंटन में निर्धारित सत्रा रमम किस्म के अनुरूप नहीं पाए गए।

16 राइस मिलें जांच के दायरे में

सीआईडी के अनुसार, निजामाबाद, करीमनगर और मुलुगु जिलों की 16 राइस मिलों ने सत्रा रमम के लिए किए गए आवंटन के बदले कथित तौर पर 3,385.820 मीट्रिक टन डोड्डू रमम चावल की आपूर्ति की। एजेंसी ने इन आपूर्तियों से संबंधित बोनास की अनुमानित वित्तीय देनदारी करीब 1.69 करोड़ रुपये बताई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुछ मिलर्स ने उन्हें आवंटित सत्रा रमम धान को कथित तौर पर खुले बाजार में बेच दिया और उसकी जगह सस्ता मोटा चावल

कित विशिष्ट अपराधों की पुष्टि होती है, यह जांच में जुटाए गए साक्ष्यों पर निर्भर करेगा।

तेलंगाना में 71.86 लाख टन धान की खरीद

खरीफ सीजन 2025-26 के दौरान तेलंगाना सरकार ने 71.86 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की थी। एकसीआई को चावल की आपूर्ति के लिए 59.60 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

प्रवर्तन एवं टास्क फोर्स (ईटीएफ) की टीमों ने विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण किए। इसके बाद प्रयोगशाला में की गई जांच में परीक्षण किए गए चावल के नमूने निर्धारित सत्रा रमम किस्म की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं पाए गए। इस कथित हेराफेरी से यह सवाल उठा है कि मिलों द्वारा आपूर्ति किया गया चावल आवंटन में निर्धारित किस्म के अनुरूप था या नहीं और क्या इसके कारण सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ने की आशंका है।

अधिकारियों की भूमिका की भी जांच

सीआईडी ने बताया कि धान की कथित हेराफेरी की पुष्टि करने, संबंधित मिलर्स की भूमिका का पता लगाने और आवंटन तथा प्रसंस्करण संबंधी अनुरोधों की प्रक्रिया की जांच करने के लिए अनुसंधान जारी है। जांचकर्ता वास्तविक वित्तीय नुकसान का पता लगाने के लिए दस्तावेजी, तकनीकी और अन्य सहायक साक्ष्य जुटा रहे हैं। यह भी जांच की जा रही है कि क्या इस मामले में सरकारी अधिकारियों या अन्य व्यक्तियों की भूमिका रही है और क्या इसके पीछे कोई आपराधिक साजिश थी।

एजेंसी के अनुसार, जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों और लागू कानून के आधार पर अन्य अपराध भी जोड़े जा सकते हैं।

उपलब्ध कराया। आरोप है कि बदले में आपूर्ति किए गए चावल में तेलंगाना के बाहर से मंगाया गया चावल भी शामिल था।

242 करोड़ रुपये की संभावित देनदारी

जांच के दौरान प्रसंस्करण के लिए आवंटित 45,414.833 मीट्रिक टन अतिरिक्त धान की मात्रा भी सामने आई है। सीआईडी के अनुसार, इस मात्रा से संबंधित बोनास की संभावित वित्तीय देनदारी लगभग 242 करोड़ रुपये आंकी गई है।

एजेंसी ने बताया कि सिविल सप्लाइज अधिकारियों के समय पर हस्तक्षेप और रोक संबंधी आदेशों के कारण संभावित नुकसान को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। हालांकि, 242 करोड़ रुपये की राशि संभावित वित्तीय प्रभाव को दर्शाती है, न कि किसी पुष्ट वित्तीय नुकसान को।

चावल की कथित अदला-बदली से खरीफ विपणन सीजन (केएमएस) 2025-26 के लिए कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) समझौते के अनुपालन पर सवाल उठे हैं।

सीआईडी विश्वासघात, अनुचित लाभ प्राप्त करने और सरकार को वित्तीय नुकसान पहुंचाने के लिए कथित आपराधिक साजिश की जांच कर रही है। हालांकि,

भाजपा नेताओं को राहुल गांधी फोबिया : तिवारी

पुणे, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता गोपालदादा तिवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं को राहुल गांधी फोबिया हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एनडीटीवी वर्ल्ड समिट जैसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश की प्रगति, उपलब्धियों और घरेलू मुद्दों पर चर्चा की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने अपने भाषण का अधिकांश हिस्सा विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना में बिताया।

तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी को असफल और अनुत्पादक बताने के बजाय प्रधानमंत्री को महंगाई, बेरोजगारी, अमेरिका की दादागिरी और देश की अन्य समस्याओं पर बोलना चाहिए था। उनके अनुसार, अंतरराष्ट्रीय मंच पर विपक्ष के नेता पर टिप्पणी करना प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि 2019 की तुलना में 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की सीटें बढ़कर 102 हो गईं, जबकि भाजपा की सीटें घटकर 240 रह गईं।

तिवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा नेतृत्व चुनावी नतीजों की वास्तविकता को नजरअंदाज कर रहा है और चंद्रबाबू नायडू तथा नीतीश कुमार के समर्थन पर निर्भर है। उन्होंने इसे भाजपा की सत्ताल-लेपुता और लाचारी करार दिया।



मुशीराबाद, सिक्कराबाद में जमालपुर परिवार के तत्वावधान में माता रानी के जागरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गायक नंद किशोर व्यास ने भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तिमय वातावरण बनाया।

भजन संध्या का आयोजन



हैदराबाद, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वीणा वादिनी साहित्यिक समिति की ओर से शनिवार, 24 अक्टूबर को आर्य कन्या विद्यालय में भक्ति एवं भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध भजन गायक प्रताप सिंह बिजली तथा विशिष्ट अतिथि उमेश चोकर का समिति अध्यक्ष श्रुतिकान्त भारती ने स्वागत किया। अतिथियों एवं समिति के सदस्यों ने भजनों की प्रस्तुति देकर समां बांधा। कार्यक्रम का संचालन ममता जायसवाल ने किया। आयोजन में समिति

के परामर्शदाता प्रदीप जाजू और भक्तराम जी का विशेष सहयोग रहा। सचिव सुधा ठाकुर के आयोजन एवं संचालन में संपन्न कार्यक्रम में मनीषा रानी, रुबी मिश्रा, शकुन्तला त्रिपाठी, मधुरानी शर्मा, उमा तिवारी, कमला दीक्षित, सविता पांडे, सुनीति मिश्रा, दिनेश सिंह, डी. प्रेमराज, सत्यनारायण काकड़ा, सीमा, रितु गुप्ता, अमिता, गुलाटी, लनु, विश्वनाथ, प्रताप, उमा सोनी और डॉ. रेखा देवी वर्मा सहित लगभग 50 भक्ति प्रेमियों ने भाग लिया। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

चक्रवात अर्नब का खतरा, आंध्र में हाई अलर्ट

विजयवाड़ा, 25 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को चक्रवात अर्नब के संभावित खतरे को देखते हुए सभी सरकारी विभागों को हाई अलर्ट पर रहने और इससे निपटने के लिए व्यापक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने शून्य जनहानि और संपत्ति को न्यूनतम नुकसान पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों और 10 विभागों के अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा करते हुए समन्वित कार्रवाई, अग्रिम योजना और चौबीसों घंटे निगरानी पर जोर दिया। उन्होंने आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में गंभीर मौसम की आशंका को देखते हुए सभी विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

अधिकारियों के अनुसार, चक्रवात 28 अक्टूबर की दोपहर तक बापटला और विशाखापत्तनम के बीच तट पार कर सकता है। कोनसीमा-यानम-काकीनाडा तटीय क्षेत्र पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। उत्तर आंध्र और मध्य तटीय जिलों में 27 और 28 अक्टूबर को भारी से अत्यंत भारी बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर असाधारण रूप से भारी वर्षा भी हो सकती है। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में नियंत्रण कक्ष स्थापित करने और मोबाइल फोन के माध्यम से लोगों को लगातार मौसम संबंधी चेतावनियां जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील तटीय गांवों के लोगों को सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए जागरूक करने पर जोर दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेड्चेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेड्चल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.

